संख्या: 317

प्रेषक.

अरुण कुमार दौढियाल, अपर सचिव, अत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक, जनजाति कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।

समाज कत्याण अनुमाग-01.

देहरादून २८ अप्रेल 2008

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में शत-प्रतिशत केन्द्र पोषित अनुसूचित जनजाति दशगोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत घनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महादय,

विता विमाग के शासनादेश संख्या-260/XXVII(1)/2008, विमाक 27 मार्च 2008 वा क्रम म मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि बालू बिलीय वर्ष 2008-09 में शत-प्रतिशत केन्द्र पाणित. अनुसूचित जनजाति दशमोलार छाञ्चवृत्ति योजनान्तर्गत प्राविधानित रूपये 1.07.84,000/- (रूपये एक करोड सात लाख चौरासी हजार मात्र) में से रूपये 30.00,000/- (रूपये तीस लाख मात्र) की धनराशि की निन्तिसिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की भी राज्यपाल महोदय सहबं स्वीकृति प्रदान करते हैं-

 उक्त धनराशि का समय से उपयोग करने से लिए यह सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधियत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए। आवटन एवं क्याय की स्थिति से प्रधासमय शासन

को अवनत कराया जाए।

 अप्रयुक्त धनराशि को वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुबल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

 स्वीकृत की जा रही धनराशि की दिल्लीय एवं भीतिक प्रगति विवरण तथा धनराशि का उपयोगिता प्रमाणपत्र समयान्तर्गत शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

4. बी.एम.—13 पर सकलित तथा उपरोक्त इंगित शासनादेश दिनांक 27 मार्च 2008 के प्रस्तर—12 के अनुसार निधारित प्रारूप पर मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिरिधत करें। स्वीकृत घनराशि से अधिक धनराशि का व्यय कदापि न किया जाए।

 स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुरितका खण्ड-5 माग-1 एवं बजट सैनुअल में उल्लिखित प्राविधानों एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अन्तर्गत

किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

लाभार्थियों को छात्रवृत्ति वितरण के सम्बन्ध में निम्नानुसार प्रक्रिया का पालन किया जाए-

(1) प्रत्येक लामार्थी को छात्रवृतित का मुगतान लामार्थी के डाकपर बचत खाते के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

(2) प्रत्येक जनपद के लामार्थियों की सूची हाई एवं साफ्ट काँगी में सम्बन्धित जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सम्बन्धित जनपद के प्रदर डाकचर अधीतक/डाकघर अधीक्षक को अग्रिम रूप से उपलब्ध करायी जाएगी।

(3) प्रत्येक जनपद के जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा बांकित धनराशि का एक चैक, जो कि सम्बन्धित जनपद के प्रधान डाकचर के पोस्टमास्टर के पक्ष में देव होगा, को लाभार्थियों की सूची सहित उपलब्ध कराया जाएगा।

(4) डाक विभाग चैक प्राप्त होने के दो सप्ताह के भीवर लागर्थी के बदत खाते में वात्रवृत्ति की धनराशि जमा कराना सुनिश्चित करेगा।

(5) दिनांक 15 नवम्बर 2007 को जाक विभाग उत्तराखण्ड परिमण्डल के साथ किए गए एम ओ.यू. के अनुसार कार्यवाही किया जामा सुनिश्चित किया जाए। 7. इस सम्बन्ध में होने वाला ख्या चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-ख्यक की 'अनुदान संख्या-31' के 'आयोजनागत पक्ष' के लेखाशीर्षक '2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण-02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण-277-शिक्षा-01-कंन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनियानित योजनाएं-01-दशनोत्तर कक्षाओं में अध्ययन करने वाल अनुसूचित जनजाति के छात्रों को छात्रवृत्ति (100 प्रतिशत केन्द्र सहायता)' की मानक मद '21-छात्रवृत्तियां और छात्रवेतन' के नाम डाला जाएगा।

यह आदेश विता विभाग की अशासकीय संख्या—18(P)/XXVII(3)/2008, दिनांक 17 अप्रैल 2008

में प्राप्त उनकी सहमित से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अरूण कुमार ढॉडियाल) अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : १,७ (१)/XVII-1/2008-179(स.क.)/2003, तददिनाक : प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1 महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।

2. समस्त मण्डलायुक्त / जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड ।-

चीफ पोस्ट मास्टर जनरल, एत्तराखण्ड, देहरादून।

4. निदेशक, कोबागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, दंहरादून।

E. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून, उताराखण्ड।

समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।

समस्त प्रवर डाकचर अधीकक / डाकचर अधीकक / जनपदी के प्रधान पोस्टमास्टर, उत्तराखण्ड ।

B. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।

वजट, राजकोशीय नियोजन एवं संसाधन निवेशालय, ठाउराखण्ड संधियालय परिसर, देहरादून।

10. समाज कल्याण नियोजन प्रकोच्छ, उताराखण्ड सविदालय परिसर, देहरादून।

🔟 राष्ट्रीय सूबना विकान केन्द्र, उत्तराखण्ड सविवालय परिसर, देहरादून।

12, आदेश चंजिला।

आज्ञा से. १८०८ व्याप क्षियाल) अपर सचिव।

BHOW ALL CAPACITY